

## तथ्यपत्रक- (फैक्टशीट) – मुख्य जनसांख्यिकीय और स्वास्थ्य स्थिति संकेतक

किसी आबादी की स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को उसके आकार और विशेषताओं की जानकारी के बिना मापा या पूरा नहीं किया जा सकता है। प्रभावी स्वास्थ्य नीति और योजना के लिए प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और प्रवास की परस्पर क्रिया के जवाब में जनसंख्या की गतिशीलता की सही समझ महत्वपूर्ण है।

### जनसंख्या का आकार - निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र में व्यक्तियों की वास्तविक संख्या

- 2011 में, भारत की जनसंख्या 121 करोड़ थी जिसमें 62.3 करोड़ (51.5%) पुरुष और 58.7 करोड़ (48.5%) महिलाएं शामिल थीं<sup>1</sup>। यह दुनिया की 17.5% आबादी और चीन (19.4%) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी के लिए ज़िम्मेदार है<sup>2</sup>।
- जनसंख्या पर भारतीय जनगणना के आंकड़ों का विश्लेषण देश में दशकों से जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट की प्रवृत्ति की पुष्टि करता है। 2001-2011 के दौरान दशकीय वृद्धि 1991-2001 के दौरान 21.5% से घटकर 17.7% हो गई<sup>3</sup>।
- आगे लिंग-वार जनसंख्या वृद्धि दर को देखते हुए, 2001-2011 के दौरान महिलाओं के लिए 18.3% की वृद्धि दर के मुकाबले पुरुष के लिए जनसंख्या की वृद्धि दर 17.1% है<sup>4</sup>।

### लिंग अनुपात - जनसंख्या में प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या

#### बाल लिंग अनुपात - 0-6 वर्ष आयु वर्ग में प्रति 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या

- पिछली दो जनगणनाओं (2001 और 2011) में लिंग अनुपात में सुधार हुआ है। लिंग अनुपात 2011 में प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाओं का था, जबकि 2001 और 1991 में क्रमशः 933 और 927 था।
- हालाँकि, बाल लिंग अनुपात (0-6 वर्ष) में पिछली दो जनगणनाओं (2001 और 2011) में गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दी है। 1991 की जनगणना में यह 945 थी, जो 2001 में घटकर 927 और 2011 की जनगणना में 919 हो गई।

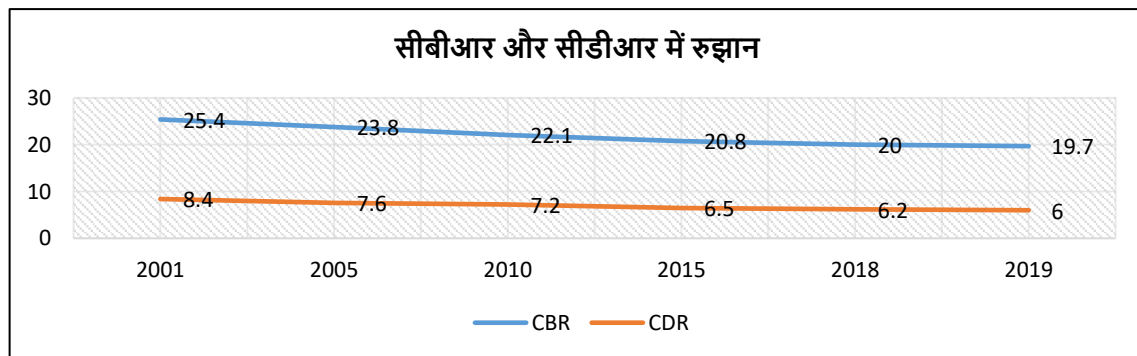
### जनसंख्या वितरण - प्रजनन आयु, किशोर आयु, युवा आयु और वृद्ध आयु की जनसंख्या का अनुपात

2011 की जनगणना के अनुसार,

- प्रजनन आयु वर्ग (15-49 वर्ष) की जनसंख्या 64.2 करोड़ (कुल जनसंख्या का 53%) थी।
- किशोर आयु वर्ग (10-19 वर्ष) 25.3 करोड़ (कुल जनसंख्या का 20.9%) था
- युवा आयु वर्ग (15-24 वर्ष) 23.2 करोड़ (कुल जनसंख्या का 19.2%) था
- 50 वर्ष और उससे अधिक की जनसंख्या 19.2 करोड़ (कुल जनसंख्या का 15.9%) थी
- 60 वर्ष और उससे अधिक की जनसंख्या 10.4 करोड़ (कुल जनसंख्या का 8.6%) थी

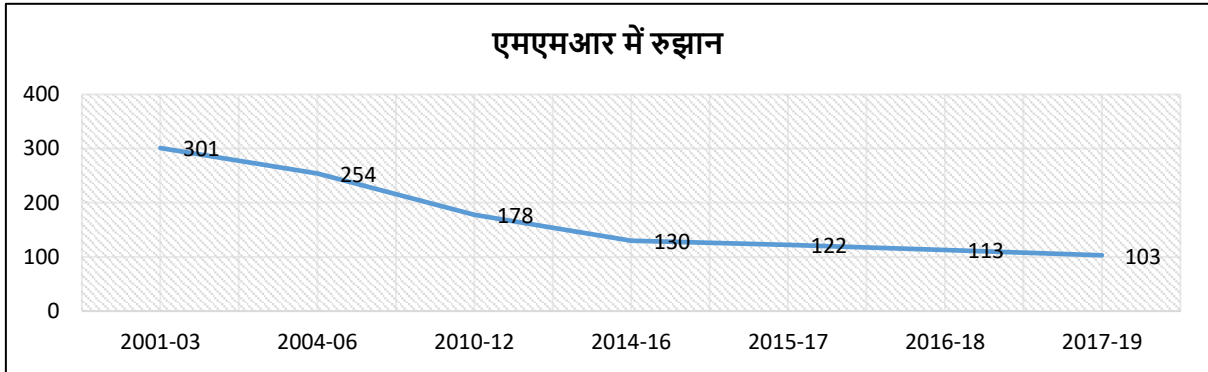
### अपरिष्कृत जन्म दर (सीबीआर) - किसी विशेष वर्ष के दौरान प्रति 1000 जनसंख्या पर जीवित जन्मों की संख्या

### अपरिष्कृत मृत्यु दर (सीडीआर) - किसी विशेष वर्ष के दौरान प्रति 1000 जनसंख्या पर होने वाली मृत्यु की संख्या



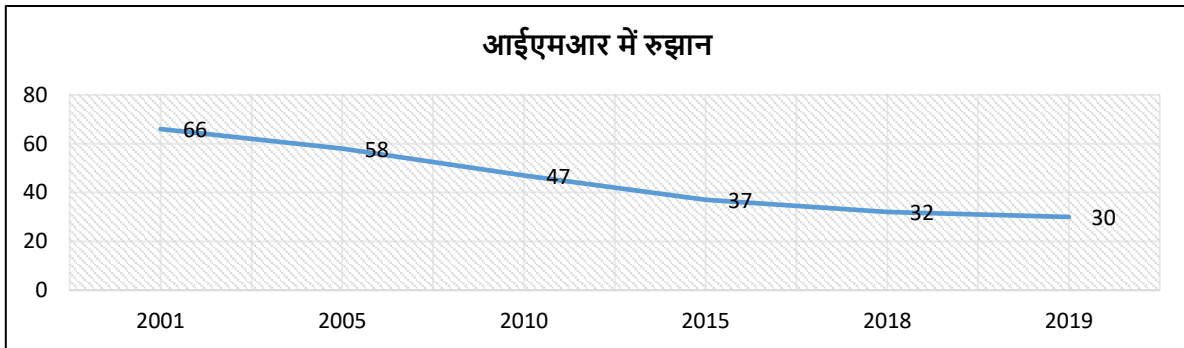
- 2019 के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अपरिष्कृत जन्म दर 19.7 रही। पिछले कुछ वर्षों में सीबीआर में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है। 2001 से 2019 तक सीबीआर में 5.7 अंक की गिरावट आई है<sup>5</sup>।
- 2019 के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अपरिष्कृत मृत्यु दर 6.0 रही। सीडीआर में पिछले कुछ वर्षों में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है। 2001 से 2019 तक सीडीआर में 2.4 अंक की गिरावट आई है<sup>6</sup>।

**मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) - एक निश्चित समय अवधि के दौरान प्रति 100,000 जीवित जन्मों में मातृ मृत्यु की संख्या। मातृ मृत्यु गर्भावस्था के दौरान या गर्भावस्था की समाप्ति के 42 दिनों के भीतर एक महिला की मृत्यु है, और गर्भावस्था या उसके प्रबंधन से संबंधित या बिगड़े हुए किसी भी कारण से हो सकती है, लेकिन अनावश्यक या आकस्मिक कारणों से नहीं**



एमएमआर 2001-03 में 301 की तुलना में 2017-19 के दौरान घटकर 103 हो गया है<sup>7</sup>।

**शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) - किसी दिए गए वर्ष में प्रत्येक 1000 जीवित जन्मों के लिए एक वर्ष से कम आयु में होने वाली मृत्यु की संख्या)**



आईएमआर भी 2001 में 66 की तुलना में 2019 के दौरान घटकर 30 हो गया है<sup>8</sup>।

## रेफरेंस

- <sup>1</sup> Census 2011
- <sup>2</sup> [http://mospi.nic.in/sites/default/files/Statistical\\_year\\_book\\_india\\_chapters/ch2.pdf](http://mospi.nic.in/sites/default/files/Statistical_year_book_india_chapters/ch2.pdf)
- <sup>3</sup> Census 2011, Census 2001 and Census 1991
- <sup>4</sup> Census 2011 and Census 2001
- <sup>5</sup> Sample Registration Survey (SRS), Office of the Registrar General, India
- <sup>6</sup> Ibid
- <sup>7</sup> Special Bulletin on Maternal Mortality in India, Sample Registration system
- <sup>8</sup> Sample Registration Survey (SRS), Office of the Registrar General, India